वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 11 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से बढ़ाएं पूर्वांचल विवि का मान : कुलपति

जासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी की ओर से एमएससी रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए 'केम फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। 'विज्ञान व कल्पनाशीलता का संगम' थीम पर आधारित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक, रचनात्मक व सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यार्थियों को कक्षाओं और विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का सदुपयोग कर अपनी प्रतिभा एवं कौशल से संस्थान का मान बढ़ाना चाहिए। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के निदेशक प्रो. मिथिलेश सिंह और रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कुलपति का स्वागत किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विज्ञान शिक्षा के साथ रचनात्मकता, नवाचार और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार, डा. नितेश जायसवाल, डा. अजीत सिंह, डा. दिनेश कुमार वर्मा आदि रहे।

दैनिक जागरण

छात्र अपनी प्रतिभा से पीयू का मान बढ़ाएं : कुलपति

रसायन विज्ञान विभाग में 'केम फेस्ट 2026' का आयोजन

जौनपुर (10 अक्टूबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी द्वारा एमएससी रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए 'केम फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया. इस वर्ष के केम फेस्ट की थीम " विज्ञान और कल्पनाशीलता का संगम " रही. आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है. उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कक्षाओं एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का सदुपयोग करते हुए अपनी प्रतिभा और कौशल से विश्वविद्यालय का मान बढ़ाएँ. उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने, प्रयोगात्मक ज्ञान को बढ़ावा देने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करने के लिए प्रेरित किया.

जिम्मेदार नागरिक का संदेश

उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में अच्छे वैज्ञानिक, सफल उद्यमी और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.कार्यक्रम में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के निदेशक प्रो. मिथिलेश सिंह एवं रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कुलपति का स्वागत किया. इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विज्ञान शिक्षा के साथ रचनात्मकता, नवाचार एवं कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया.

छात्राओं को सिखाए तनाव प्रबंधन के प्रभावी तरीके

जौनपुर : पूर्वांचि जौनपुर के महिला छात्रावास में तनाव प्रबंधन एवं उससे निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर महिला छात्रावास में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने छात्राओं को तनाव के कारणों, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा दैनिक जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी. उन्होंने तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सकारात्मक सोच अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं वेलनेस सेंटर के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. स्वस्थ जीवन के लिए दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और तनाव प्रबंधन की समझ बेहद जरूरी है.

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच है जेपीएल

जौनपुर. पूर्वांचि एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 के मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया. पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में मड़ियाहू रॉयल्स ने जाफराबाद रॉयल्स को हराकर जीत दर्ज की. पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहगंज स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम शाहगंज के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के सामने 68 रन पर ऑलआउट हो गई. इस प्रकार शाहगंज स्ट्राइकर्स ने मुकाबला अपने नाम किया. इस मैच में फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाकर अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने फरहान हक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया.

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा : प्रो. आरके

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

सूचना की सत्यता जांचना जरूरी : डॉ. अनुप गिरधर

डिजिटल सुरक्षा और जागरूकता पर हुई चर्चा

जौनपुर (10 अक्टूबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सभागार में शनिवार को डिजिटल युग में साइबर अपराधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: रोकथाम, जागरूकता एवं सहायता" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराधों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई.



कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. राकेश सिंह.



कार्यक्रम के दौरान प्रमाण पत्र के साथ छात्र व अन्य.

साइबर अपराध तेजी से बढ़ा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं. इन अपराधों का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में किसी परिचित चेहरे या जानी-पहचानी आवाज को देखकर भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए. साइबर अपराधी किसी विद्यार्थी की फीस, किसी की जीवनभर की बचत और किसी बुजुर्ग की पूरी कमाई तक हड़प ले रहे हैं. ऐसे में जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है.

साइबर अपराधों से सुरक्षित रहें

कुलपति ने कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं साइबर अपराधों से सुरक्षित रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक एवं सुरक्षित रखें, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक तनाव और यंत्रणा से भी बचाया जा सके.

मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग तनाव, डर और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज डिजिटल दुनिया में भ्रामक सूचनाओं और वीडियो के जरिए लोगों की सोचने-समझने और सही-गलत का फैसला करने की क्षमता को भी प्रभावित किया जा रहा है. इसे एक तरह से 'ब्रेन हैकिंग' कहा जा सकता है.

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी सूचना, वीडियो या संदेश फॉरवर्ड करने से पहले उसकी सच्चाई जरूर जाँच लें. बिना जाँच-पड़ताल के किसी भी सामग्री को आगे न बढ़ाएँ, अपने विवेक का इस्तेमाल करें, तथ्यों की पुष्टि करें और डेटा सुरक्षा के साथ-साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें.

छात्रों ने नाटक की प्रस्तुति की

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया. आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर अपने विचार व्यक्त किए. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया. सह-संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति की. इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे.

साइबर सुरक्षा के प्रोजेक्ट में अभिलाषा की टीम अव्वल

जौनपुर : साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता और नवाचार का प्रदर्शन करते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सुरक्षित एप्लीकेशन के मॉडल प्रस्तुत किए. इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई की ओर से आयोजित छह दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला में अभिलाषा सिंह की टीम ने पहला स्थान हासिल किया. अभिलाषा सिंह, कुंवर भानु प्रताप सिंह की पुत्री है. वह खेतासराय के पोरई खुर्द की निवासी है. शनिवार को आयोजित समापन समारोह में विजेता टीमों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि बैंकिंग, शिक्षा और शासन समेत विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो रहा है. ऐसे में साइबर हमलों से डिजिटल व्यवस्था और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया को सुरक्षित बनाने के लिए देश को कुशल साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की आवश्यकता है. इस क्षेत्र में डीआरडीओ, इसरो, सीईआरटी-इन, भारतीय सेना की साइबर इकाइयों, बैंकिंग और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं. विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट का मूल्यांकन नवाचार, सुरक्षा सुविधाओं और प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया. डॉ. अनुप गिरधर ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनमें तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं हैं. सकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने बताया कि कार्यशाला में 90 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण पूरा किया. कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा ने किया.

अमर उजाला

सुरक्षित एप्लीकेशन प्रोजेक्ट में यासिर अभिलाषा और तनु की टीम अव्वल

संवाद न्यूज एजेंसी

कार्यशाला का समापन, 90 से अधिक विद्यार्थियों ने सीखीं साइबर सुरक्षा की बारीकियां

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई की ओर से आयोजित छह दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा की बारीकियां सीखीं और सुरक्षित एप्लीकेशन से जुड़े प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में यासिर, अभिलाषा और तनु की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

समापन सत्र में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि बैंकिंग, शिक्षा और शासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो रहा है। इसके साथ ही साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में डिजिटल व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए प्रशिक्षित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने बताया कि डीआरडीओ, इसरो, भारतीय सेना की साइबर सेल, बैंकिंग क्षेत्र और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में साइबर सुरक्षा से जुड़े रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीकी ज्ञान के साथ नवाचार पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट का मूल्यांकन किया। इसमें यासिर, अभिलाषा और तनु की टीम को प्रथम, प्रेरणा और प्राची की टीम को द्वितीय तथा इप्सिता और आंचल की टीम को तृतीय स्थान मिला। विजेता विद्यार्थियों को कुलपति और अतिथियों ने प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। डॉ. अनुप गिरधर ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनमें नवाचार और तकनीकी विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने बताया कि विद्यार्थियों ने कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण पूरा किया और सुरक्षित एप्लीकेशन विकास से संबंधित व्यावहारिक जानकारियां हासिल कीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर आईईईई के ब्रांच चेयर सृजन श्रीवास्तव, सचिव इप्सिता श्रीवास्तव, अदिति, शिवांगी, शिवांश, हिमानी, अर्चना, सागर, मयंक, आंचल, अमन और आदित्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुंगराबादशाहपुर के शिक्षक संजय मिश्र बने जौनपुर चैंपियन

मुंगराबादशाहपुर। जिलास्तरीय कृषि प्रदर्शनी एवं पर्यावरण संरक्षण प्रतियोगिता में कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय गरियांव के शिक्षक संजय कुमार मिश्र ने लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने जौनपुर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उनकी सफलता से विद्यालय और विकासखंड का मान बढ़ा है।

खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अविनाश सिंह ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निर्देश पर 28 सितंबर 2026 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), जौनपुर के नवनिर्मित भवन में प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक समिति ने संजय कुमार मिश्र को प्रथम स्थान के लिए चयनित किया।

प्रतियोगिता के दौरान उपनिदेशक एवं डायट प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने संजय मिश्र को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि को वैज्ञानिक सोच, कृषि विज्ञान के प्रति रुचि, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम माना जा रहा है।

खंड शिक्षा अधिकारीने संजय मिश्र को आदर्श एवं कर्मयोगी शिक्षक बताते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत है। इससे विद्यालयी शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने का सकारात्मक संदेश मिलता है। संवाद

पूर्वी जोन हॉकी : बीएचयू की मेजबानी में खेलेंगे 11 राज्यों के खिलाड़ी

वाराणसी। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद बीएचयू की ओर से पूर्वी जोन अंतर विश्वविद्यालयीय हॉकी प्रतियोगिता 27 अक्तूबर से खेली जाएगी।
प्रतियोगिता में पूर्वी जोन के 11 राज्यों की 20 टीमें बनारस खेलने आएंगी। विश्वविद्यालय की पुरुष हॉकी टीम ने एंफीथियेटर के एस्ट्रोटर्फ पर तैयारी शुरू कर दी है। क्रीड़ा परिषद के सहायक निदेशक और हॉकी के कोच डॉ. प्रदीप खालखो की देखरेख में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। बताया कि बीएचयू की टीम का चयन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू) ने पूर्वी जोन के हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी वाराणसी को सौंपी थी। प्रतियोगिता वाराणसी के सबसे पुराने और आधुनिक सुविधाओं से युक्त नीले एस्ट्रोटर्फ पर खेली जाएगी। संवाद

अमर उजाला

पूविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं नवंबर के दूसरे सप्ताह से

15 अक्तूबर से होंगे ऑनलाइन आवेदन, समर्थ पोर्टल पर अपडेट हो रहे रिकॉर्ड

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर परीक्षाएं नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होंगी। परीक्षा प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 15 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा को समय से संपन्न कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है।

विश्वविद्यालय से संबद्ध जौनपुर और गाजीपुर जिलों के कुल 604 महाविद्यालयों के पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के छात्र इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जानकारी दी कि महाविद्यालयों को छात्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया समय से पूरी करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा समय पर आयोजित की जा सके।

जौनपुर में कुल 225 महाविद्यालय संबद्ध हैं। इसमें 3 राजकीय, 14 अनुदानित महाविद्यालय और 208 वित्तपोषित महाविद्यालय शामिल हैं। इसी प्रकार गाजीपुर में कुल 379 महाविद्यालय संबद्ध हैं। इसमें 3 राजकीय, 8 वित्तपोषित और 367 वित्तविहीन महाविद्यालय शामिल हैं।

जौनपुर और गाजीपुर के 604 महाविद्यालयों के पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की तैयारी तेज

इस प्रकार कुल 604 महाविद्यालयों के छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। इसमें 7 सात राजकीय, 22 अनुदानित महाविद्यालय और 575 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महाविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वह 10 अक्तूबर तक छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करा लें। सेमेस्टर परीक्षा के लिए 15 अक्तूबर से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे।

सेमेस्टर परीक्षाएं नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होंगी। परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कॉलेज छात्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया समय से पूरी कर लें ताकि परीक्षाएं समय से शुरू करा दी जाएं।

शोध छात्र को मिली दो साल की फेलोशिप

वाराणसी। बीएचयू के दृश्य कला संकाय के व्यावहारिक कला विभाग के शोध छात्र शिवम मौर्य को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की पूर्णकालिक डॉक्टोरल फेलोशिप मिली है। 2026–27 में दो साल की शोधवृत्ति मिली है। इस तरह की उपलब्धि विभाग में किसी भी शोध छात्र को पहली बार मिली है। दृश्य कला संकाय संकाय प्रमुख प्रो. जसमिंदर कौर ने शिवम मौर्य को बधाई दी। शिवम प्रो. मनीष अरोड़ा के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। ब्यूरो

हिंदुस्तान

बेहतर प्रोजेक्ट के लिए मिला पुरस्कार

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आई ट्रीपल ई की तरफ से आयोजित छह दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला का शनिवार को समापन किया गया। समापन सत्र में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने वर्तमान डिजिटल युग में

■ पीयू में छह दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला हुई

साइबर सिक्योरिटी की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। समापन सत्र में विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए सभी प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। प्रथम पुरस्कार टीम यासिर, अभिलाषा और तनु के प्रोजेक्ट को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार प्रेरणा और प्राची को उनके बनाए गये प्रोजेक्ट के लिए दिया गया। तृतीय पुरस्कार इप्सिता और आंचल को उनके प्रोजेक्ट के लिए मिला। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

आज का परिणाम

मानसिक रोगों के प्रति जागरूकता का दिया संदेश



ब्यूरो आज का परिणाम/जौनपुर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार, को वाजिदपुर तिराहा स्थित मंगल क्लीनिक, न्यूरो–साइकियाट्रिक सेंटर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, मानसिक रोगों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने पर जोर दिया गया। मनोचिकित्सक डॉ. उत्तम कुमार गुप्ता ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है। तनाव, अवसाद, चिंता, नींद की समस्या और अन्य मानसिक विकारों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर पहचान और उचित उपचार से मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों की बात ध्यानपूर्वक सुनना, उनके अनुभवों को समझना और उन्हें भावनात्मक सहयोग देना बेहद जरूरी है। मानसिक रोग कोई कमजोरी नहीं है। ऐसे मरीजों के साथ भेदभाव करने के बजाय उन्हें सम्मान, सहयोग और उचित उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मनोवैज्ञानिक डॉ. साधना मौर्या ने भी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और मरीजों की भावनात्मक आवश्यकताओं को समझने के महत्व पर चर्चा की।

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच है जेपीएलः कुलपति

जौनपुर प्रीमियर लीग में शाहगंज स्ट्राइकर्स और मड़ियाहूं चैलेंजर्स की शानदार जीत

ब्यूरो आज का परिणाम/जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने जफराबाद चैलेंजर्स को हराकर जीत दर्ज की।पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहगंज स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम शाहगंज के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के सामने 68 रन पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार शाहगंज स्ट्राइकर्स ने मुकाबला अपने नाम किया।इस मैच में फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाकर अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने फरहान हक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जाफराबाद चैलेंजर्स की टीम निर्धारित 10 ओवर में 50 रन पर ऑलआउट हो गई। मड़ियाहूं चैलेंजर्स के गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मड़ियाहूं चैलेंजर्स की टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाकर 7.3 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।दूसरे मैच में शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने 13 गेंदों पर 17 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि जौनपुर प्रीमियर लीग युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने, उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने तथा जनपद में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने का सशक्त मंच है। खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपसी सहयोग जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं नवाचार के साथ–साथ खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

आज

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच है जेपीएल-वाइसचांसलर

शाहगंज स्ट्राइकर्स और मड़ियाहूं चैलेंजर्स की शानदार जीत

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने जफराबाद चैलेंजर्स को हराकर जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहगंज स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम शाहगंज के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के सामने 68 रन पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार शाहगंज स्ट्राइकर्स ने मुकाबला अपने नाम किया। इस मैच में फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाकर अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने फरहान हक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जाफराबाद चैलेंजर्स की टीम निर्धारित 10 ओवर में 50 रन पर ऑलआउट हो गई। मड़ियाहूं चैलेंजर्स के गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मड़ियाहूं चैलेंजर्स की टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाकर 7.3 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। दूसरे मैच में शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने 13 गेंदों पर 17 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान



दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि प्रीमियर लीग युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने, उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने तथा जनपद में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने का सशक्त मंच है। खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपसी सहयोग जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं नवाचार के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनसंदेश टाइम्स

महिला छात्रावास में छात्राओं को सिखाए तनाव प्रबंधन के प्रभावी तरीके

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के महिला छात्रावास में तनाव प्रबंधन एवं उससे निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर महिला छात्रावास में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के दिशा–निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने छात्राओं को तनाव के कारणों, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा दैनिक जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी।

जनसंदेश टाइम्स

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए सुरक्षित एप्लीकेशन प्रोजेक्ट

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई द्वारा आयोजित 6 दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन सत्र में कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सिक्योरिटी की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा और शासन तक सब कुछ डिजिटल हो रहा है, ऐसे में साइबर हमलों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया को सुरक्षित बनाने के लिए भारत को लाखों कुशल साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की जरूरत है। कुलपति ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में डीआरडीओ, इसरो, सी ई आरटी इन, भारतीय सेना की साइबर सेल, बैंकिंग सेक्टर और बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। समापन सत्र में विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए सभी प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। इनोवेशन, सिक्योरिटी फीचर्स और प्रेजेंटेशन के आधार पर बेस्ट 3 प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉ. अनुप ने छात्रों की मेहनत की सराहना की और कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी संभावनाएं हैं। प्रथम पुरस्कार टीम यासिर, अभिलाषा और तनु के प्रोजेक्ट को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार प्रेरणा और प्राची को उनके बनाए गये प्रोजेक्ट के लिए दिया गया। तृतीय पुरस्कार इप्सिता और आंचल को उनके प्रोजेक्ट के लिए मिला। विजेताओं को कुलपति एवं अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा ने किया। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने बताया कि 90 से अधिक छात्रों ने इस कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम में आईईईई के ब्रांच चेयर सृजन श्रीवास्तव, सचिव इप्सिता श्रीवास्तव, अदिति, शिवांगी, शिवांश, हिमानी, अर्चना, सागर, मयंक, आंचल, अमन और आदित्य आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

जनसंदेश टाइम्स

विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से पीयू का मान बढ़ाएं : कुलपति

कार्यक्रम

रसायन विज्ञान विभाग में केम फेस्ट 2026 का आयोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी द्वारा एमएससी रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए केम फेस्ट 2026 का आयोजन किया गया। इस वर्ष के केम फेस्ट की थीम विज्ञान और कल्पनाशीलता का संगम रही। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कक्षाओं एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का सदुपयोग करते



कार्यक्रम को सम्बोधित करते विवि के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह

हुए अपनी प्रतिभा और कौशल से विवि का मान बढ़ाएँ। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने, प्रयोगात्मक ज्ञान को बढ़ावा देने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में अच्छे वैज्ञानिक, सफल उद्यमी और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के निदेशक प्रो. मिथिलेश सिंह एवं रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कुलपति का स्वागत किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विज्ञान शिक्षा के साथ रचनात्मकता, नवाचार एवं कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को संस्थान एवं विवि में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं और वैज्ञानिक उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से इन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए अपने व्यावहारिक ज्ञान, प्रयोगात्मक दक्षता एवं शोध क्षमता को विकसित करने का आह्वान किया।

डॉ. नितेश जायसवाल ने विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं एवं रोजगार के विविध अवसरों से अवगत कराया। उन्होंने शोध एवं विकास, औद्योगिक रसायन विज्ञान, औषधि निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, हरित रसायन, उत्प्रेरण, सामग्री विज्ञान तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रयोगात्मक दक्षता, शोध अभिरुचि और नवाचार की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। केम फेस्ट 2026 के अंतर्गत तकनीकी एवं सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक प्रतिभा, रचनात्मकता, कलात्मक अभिरुचि, टीम भावना प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस आयोजन ने विज्ञान को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखते हुए उसे कल्पनाशीलता, प्रयोग व व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. अजीत सिंह, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. विजय शंकर पांडेय एवं डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. आशीष वर्मा सहित अन्य शिक्षक एवं संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच है जेपीएल

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने जफराबाद चैलेंजर्स को हराकर जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहगंज स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम शाहगंज के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के सामने 68 रन पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार शाहगंज स्ट्राइकर्स ने मुकाबला अपने नाम किया। इस मैच में फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाकर अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने फरहान हक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

जनसंदेश टाइम्स

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सभागार में शनिवार को डिजिटल युग में साइबर अपराधों का मनोवैज्ञानिक प्रभावः रोकथाम, जागरूकता एवं सहायताह्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराधों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन अपराधों का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में किसी परिचित चेहरे या जानी-पहचानी आवाज को देखकर भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। ऐसे में जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग तनाव, डर और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया। सह-संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति की। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव समेत शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अवधनामा

जौनपुर/प्रयागराज/आजमगढ़/मैनपुरी

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच है जेपीएलः कुलपति

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने जफराबाद चैलेंजर्स को हराकर जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहगंज स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम शाहगंज के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के सामने 68 रन पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार शाहगंज स्ट्राइकर्स ने मुकाबला अपने नाम किया। इस मैच में फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाकर अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने फरहान हक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जाफराबाद चैलेंजर्स की टीम निर्धारित 10 ओवर में 50 रन पर ऑलआउट हो गई। मड़ियाहूं चैलेंजर्स के गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मड़ियाहूं चैलेंजर्स की टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाकर 7.3 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। दूसरे मैच में शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने 13 गेंदों पर 17 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने शिवम यादव को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि जौनपुर प्रीमियर लीग युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने, उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने तथा जनपद में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने का सशक्त मंच है। खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपसी सहयोग जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं नवाचार के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दैनिक मान्यवर

महिला छात्रावास में छात्राओं को सिखाए तनाव प्रबंधन के प्रभावी तरीके



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के महिला छात्रावास में तनाव प्रबंधन एवं उससे निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर महिला छात्रावास में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने छात्राओं को तनाव के कारणों, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा दैनिक जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सकारात्मक सोच अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं वेलनेस सेंटर के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। स्वस्थ जीवन के लिए दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और तनाव प्रबंधन की समझ बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संयोजन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य एवं अतिरिक्त मुख्य वार्डन महिला डॉ. अन्नू त्यागी ने किया। आयोजन में डॉ. जया शुक्ला, डॉ. निमिषा यादव एवं डॉ. कृष्णा सिंह का विशेष योगदान रहा।

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सभागार में शनिवार को डिजिटल युग में साइबर अपराधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: रोकथाम, जागरूकता एवं सहायताह्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के



व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराधों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन अपराधों का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में किसी परिचित चेहरे या जानी-पहचानी आवाज को देखकर भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग तनाव, डर और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल दुनिया में भ्रामक सूचनाओं और वीडियो के जरिए लोगों की सोचने-समझने और सही-गलत का फैसला करने की क्षमता को भी प्रभावित किया जा रहा है। इसे एक तरह से ह्यब्रेन हैकिंगह्ल कहा जा सकता है।कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया। सह-संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति की। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रणतुर्य

ड़ों लोगों को बांटे पैकेट

महिला छात्रावास में छात्राओं को सिखाए तनाव प्रबंधन के प्रभावी तरीके



रणतूर्य संवाददाता जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के महिला छात्रावास में तनाव प्रबंधन एवं उससे निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर महिला छात्रावास में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने छात्राओं को तनाव के कारणों, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा दैनिक जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सकारात्मक सोच अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं वेलनेस सेंटर के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। स्वस्थ जीवन के लिए दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और तनाव प्रबंधन की समझ बेहद जरूरी है।कार्यक्रम का संयोजन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य एवं अतिरिक्त मुख्य वार्डन महिला डॉ. अन्नू त्यागी ने किया। आयोजन में डॉ. जया शुक्ला, डॉ. निमिषा यादव एवं डॉ. कृष्णा सिंह का विशेष योगदान रहा।

रणतुर्य

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए सुरक्षित एप्लीकेशन प्रोजेक्ट



रणतूर्य संवाददाता जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई द्वारा आयोजित 6 दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ।समापन सत्र में कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सिक्योरिटी की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा और शासन तक सब कुछ डिजिटल हो रहा है, ऐसे में साइबर हमलों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया को सुरक्षित बनाने के लिए भारत को लाखों कुशल साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की जरूरत है।कुलपति ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में डीआरडीओ, इसरो, सी ई आरटी इन, भारतीय सेना की साइबर सेल, बैंकिंग सेक्टर और बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। समापन सत्र में विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए सभी प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। इनोवेशन, सिक्योरिटी फीचर्स और प्रेजेंटेशन के आधार पर बेस्ट 3 प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉ. अनुप ने छात्रों की मेहनत की सराहना की और कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी संभावनाएं हैं।प्रथम पुरस्कार टीम यासिर, अभिलाषा और तनु के प्रोजेक्ट को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार प्रेरणा और प्राची को उनके बनाए गये प्रोजेक्ट के लिए दिया गया। तृतीय पुरस्कार इप्सिता और आंचल को उनके प्रोजेक्ट के लिए मिला। विजेताओं को कुलपति एवं अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा ने किया। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने बताया कि 90 से अधिक छात्रों ने इस कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम में आईईईई के ब्रांच चेयर सृजन श्रीवास्तव, सचिव इप्सिता श्रीवास्तव, अदिति, शिवांगी, शिवांश, हिमानी, अर्चना, सागर, मयंक, आंचल, अमन और आदित्य आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

उत्तर शक्ति

जेपीएल 2026: शाहगंज स्ट्राइकर्स और मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने मारी बाजी

कुलपति बोले- खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) 2026 में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने जौनपुर पैंथर्स को शिकस्त दी, वहीं मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने जफराबाद चैलेंजर्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की।



पहले मुकाबले में शाहगंज स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट पर 76 रन बनाए। जवाब में जौनपुर पैंथर्स की टीम 68 रन पर ऑलआउट हो गई। शाहगंज स्ट्राइकर्स की जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले फरहान हक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए। कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

दूसरे मुकाबले में जफराबाद चैलेंजर्स की टीम 10 ओवर में 50 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मड़ियाहूं चैलेंजर्स ने तीन विकेट के नुकसान पर 7.3 ओवर में 51 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। शिवम यादव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि जौनपुर प्रीमियर लीग युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का सशक्त मंच है। इस तरह के आयोजन जनपद में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपसी सहयोग जैसे गुणों का विकास होता है। विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं नवाचार के साथ खेलों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर शक्ति

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा, जागरूकता ही बचाव का प्रभावी माध्यम: प्रो.राकेश कुमार सिंह

डॉ.अनुप गिरधर बोले-सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने से पहले करें सत्यता की जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के सभागार में साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर संगोष्ठी आयोजित की गई। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर उत्पीड़न से बचाव के उपायों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और इनका लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में परिचित चेहरे या जानी-पहचानी आवाज पर भी आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। साइबर अपराधी विद्यार्थियों की फीस से लेकर लोगों की जीवनभर की जमा पूंजी तक को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है।

मुख्य अतिथि एवं साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाएं लोगों में तनाव, डर और मानसिक परेशानी बढ़ा रही हैं। डिजिटल माध्यमों पर भ्रामक सामग्री के जरिए लोगों की सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने इसे 'ब्रेन हैकिंग' की संज्ञा देते हुए सोशल मीडिया पर किसी भी सूचना, वीडियो या संदेश को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की अपील की।कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर विचार व्यक्त किए। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया तथा डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

उत्तर शक्ति

विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से पीयू का मान बढ़ाएं: कुलपति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'केम फेस्ट 2026' का भव्य आयोजन, वैज्ञानिक सोच और नवाचार को मिला बढ़ावा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी की ओर से एमएससी के विद्यार्थियों के लिए 'केम फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। 'विज्ञान और कल्पनाशीलता का संगम' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा, रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित किया गया।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ उठाकर अपनी प्रतिभा और कौशल से विश्वविद्यालय का मान बढ़ाएं। वैज्ञानिक सोच, प्रयोगात्मक ज्ञान और नवाचार के माध्यम से विद्यार्थी समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विज्ञान शिक्षा के साथ रचनात्मकता और कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। वहीं, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों एवं वैज्ञानिक उपकरणों का अधिकतम उपयोग कर अपनी शोध क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. नितेश जायसवाल ने रसायन विज्ञान के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं की जानकारी देते हुए शोध एवं विकास, औषधि निर्माण, औद्योगिक रसायन विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण और हरित रसायन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला।

केम फेस्ट के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, रचनात्मकता, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. विजय शंकर पांडेय, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. आशीष वर्मा सहित विभाग के अन्य शिक्षक एवं संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

महिला छात्रावास में छात्राओं को सिखाए तनाव प्रबंधन के प्रभावी तरीके

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के महिला छात्रावास में तनाव प्रबंधन एवं उससे निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर महिला छात्रावास में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने छात्राओं को तनाव के कारणों, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा दैनिक जीवन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सकारात्मक सोच अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं वेलनेस सेंटर के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। स्वस्थ जीवन के लिए दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और तनाव प्रबंधन की समझ बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संयोजन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य एवं अतिरिक्त मुख्य वार्डन महिला डॉ. अन्नू त्यागी ने किया। आयोजन में डॉ. जया शुक्ला, डॉ. निमिषा यादव एवं डॉ. कृष्णा सिंह का विशेष योगदान रहा।

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा: कुलपति

सूचना की सत्यता जांचना जरूरी: डॉ. अनूप

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विवि में हुई संगोष्ठी



उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सभागार में शनिवार को डिजिटल युग में साइबर अपराधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: रोकथाम, जागरूकता एवं सहायता विषय पर संगोष्ठी हुई। विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराधों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन अपराधों का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। डिजिटल दुनिया में किसी परिचित चेहरे या जानी-पहचानी आवाज को देखकर भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। साइबर अपराधी किसी विद्यार्थी की फीस, किसी की जीवनभर की बचत और किसी बुजुर्ग की पूरी कमाई तक हड़प ले रहे हैं। ऐसे में जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं साइबर अपराधों से सुरक्षित रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक एवं सुरक्षित रखें, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक तनाव और यंत्रणा से भी बचाया जा सके। मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग तनाव, डर और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। आज डिजिटल दुनिया में भ्रामक सूचनाओं और वीडियो के जरिए लोगों की सोचने-समझने और सही-गलत का फैसला करने की क्षमता को भी प्रभावित किया जा रहा है। इसे एक तरह से 'ब्रेन हैकिंग' कहा जा सकता है। सोशल मीडिया पर कोई भी सूचना, वीडियो या संदेश फॉरवर्ड करने से पहले उसकी सच्चाई जरूर जाँच लें। बिना जाँच-पड़ताल के किसी भी सामग्री को आगे न बढ़ाएँ। अपने विवेक का इस्तेमाल करें, तथ्यों की पुष्टि करें और डेटा सुरक्षा के साथ-साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर विचार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया। सह-संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति की। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

देवव्रत

साइबर अपराध से मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा-प्रो. राकेश कुमार सिंह

❑ डिजिटल सुरक्षा और जागरूकता पर हुई चर्चा

जौनपुर, 10 अक्टूबर (देवव्रत संवाद)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सभागार में शनिवार को डिजिटल युग में साइबर अपराधों का मनोवैज्ञानिक प्रभावरू रोकथाम, जागरूकता एवं सहायता" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वेलनेस सेंटर एवं साइबर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराधों, डिजिटल उत्पीड़न और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन अपराधों का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में किसी परिचित चेहरे या जानी–पहचानी आवाज को देखकर भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। साइबर अपराधी किसी विद्यार्थी की फीस, किसी की जीवनभर की बचत और किसी बुजुर्ग की पूरी कमाई तक हड़प ले रहे हैं। ऐसे में जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।



कुलपति ने कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं साइबर अपराधों से सुरक्षित रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक एवं सुरक्षित रखें, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ–साथ मानसिक तनाव और यंत्रणा से भी बचाया जा सके।

मुख्य अतिथि एवं प्रख्यात साइबर क्राइम विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न और भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग तनाव, डर और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल दुनिया में भ्रामक सूचनाओं और वीडियो के जरिए लोगों की सोचने–समझने और सही–गलत का फैसला करने की क्षमता को भी प्रभावित किया जा रहा है। इसे एक तरह से 'ब्रेन हैकिंग' कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी सूचना, वीडियो या संदेश फॉरवर्ड करने से पहले उसकी सच्चाई जरूर जाँच लें। बिना जाँच–पड़ताल के किसी भी सामग्री को आगे न बढ़ाएँ। अपने विवेक का इस्तेमाल करें, तथ्यों की पुष्टि करें और डेटा सुरक्षा के साथ–साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। आयोजन सचिव डॉ. अन्नू त्यागी ने साइबर अपराध और काउंसलिंग पर अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया। सह–संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति की। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, डॉ. सुरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए सुरक्षित एप्लीकेशन प्रोजेक्ट

विश्वविद्यालय में 6 दिवसीय सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला का हुआ समापन

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई द्वारा आयोजित 6 दिवसीय ₹सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट₹ कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन सत्र में कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सिक्योरिटी की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा और शासन तक सब कुछ डिजिटल हो रहा है, ऐसे में साइबर हमलों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया को सुरक्षित बनाने के लिए भारत को लाखों कुशल साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की जरूरत है। कुलपति ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में डीआरडीओ, इसरो, सी ई आरटी इन, भारतीय सेना की साइबर सेल, बैंकिंग सेक्टर और बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। समापन सत्र में विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने गूगल क्लासरूम पर अपलोड किए गए सभी प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। इनोवेशन, सिक्योरिटी फीचर्स और प्रेजेंटेशन के आधार पर बेस्ट 3 प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉ. अनुप ने छात्रों की मेहनत की सराहना की और कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी संभावनाएं हैं। प्रथम पुरस्कार टीम यासिर, अभिलाषा और तनु के प्रोजेक्ट को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार प्रेरणा और प्राची को उनके बनाए गये प्रोजेक्ट के लिए दिया गया। तृतीय पुरस्कार इप्सिता और आंचल को उनके प्रोजेक्ट के लिए मिला। विजेताओं को कुलपति एवं अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा ने किया। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने बताया कि 90 से अधिक छात्रों ने इस कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम में आईईईई के ब्रांच चेयर सृजन श्रीवास्तव, सचिव इप्सिता श्रीवास्तव, अदिति, शिवांगी, शिवांश, हिमानी, अर्चना, सागर, मयंक, आंचल, अमन और आदित्य आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

NIP

News in Brief

Cybercrime Poses a Threat to Mental Health: Prof Rakesh Kumar Singh

Jaunpur: On the occasion of World Mental Health Day, a seminar on "Psychological Impact of Cybercrime in the Digital Age: Prevention, Awareness and Support" was organised on Saturday in the auditorium of the Dattopant Thengadi Law Institute at Veer Bahadur Singh Purvanchal University. The programme was jointly organised by the university's Department of Applied Psychology, Wellness Centre and Cyber Club.



Discussions focused on the impact of cybercrime, digital harassment and online fraud on mental health. Presiding over the programme, Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh said that cybercrime was increasing rapidly across the world and was having serious consequences for people's mental health. He said people should not blindly trust someone merely because they see a familiar face or hear a familiar voice in the digital world. Cybercriminals were stealing students' fee money, people's lifelong savings and even the entire earnings of elderly citizens. In such circumstances, awareness was the most effective means of protection against cybercrime.

The Vice-Chancellor said it was everyone's moral responsibility to remain safe from cybercrime and ensure that family members were also aware and protected. This would help prevent not only financial losses but also the mental stress and trauma caused by such crimes. Chief guest and renowned cybercrime expert Dr Anup Girdhar said that cyber fraud, online harassment and misleading information were causing people to experience stress, fear and psychological distress. He added that misleading information and videos were increasingly being used in the digital world to influence people's thinking, understanding and ability to distinguish right from wrong. Prof Ajay Pratap Singh and Dr Annu Tyagi shared their views on cybercrime and counselling. The vote of thanks was delivered by Dr Jhanvi Srivastava, while Dr Digvijay Singh Rathore conducted the programme. The event was attended by Prof Manoj Mishra, Prof Avinash, Prof Saurabh Pal, Prof Girdhar Mishra, Prof Vinod Kumar, Dr Divyendu Mishra and Dr Surendra Yadav, along with faculty members and students from various departments.

NIP

dents from various departments.

Students Should Enhance PU's Prestige Through Their Talent: Vice-Chancellor

Jaunpur: The Chemical Communication Society of the Department of Chemistry at Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, organised 'Chem Fest 2026' for MSc Chemistry students. This year's theme was "A Confluence of Science and Imagination." The event aimed to promote scientific thinking, creativity, innovation and cultural talents among students. Addressing the students as the chief guest, university Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh said that the university was committed to the all-round development of its students. He urged them to make effective use of classroom learning and the facilities available at the university to enhance its prestige through their talent and skills. He encouraged students to develop a scientific outlook, strengthen their practical knowledge and use their learning and skills for the development of society and the nation. Calling upon them to become accomplished scientists, successful entrepreneurs and responsible citizens in the future, he said that such events played an important role in students' personality development.

On the occasion, Prof Mithilesh Singh, Director of the Prof Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Sciences and Research, and Prof Pramod Kumar, Head of the Department of Chemistry, welcomed the Vice-Chancellor. Prof Pramod Kumar Yadav, Dean of Student Welfare, also addressed the students. The Head of the Department of Chemistry, Prof Pramod Kumar, informed the students about the academic facilities and scientific equipment available at the institute and university. On the occasion, Dr Nitesh Jaiswal briefed the students on the wide-ranging opportunities and diverse career prospects available in the field of chemistry. He elaborated on career opportunities in research and development, industrial chemistry, pharmaceutical manufacturing, environmental protection, green chemistry, catalysis, materials science and higher education. He encouraged students to develop practical proficiency, a keen interest in research and a spirit of innovation alongside their theoretical knowledge.